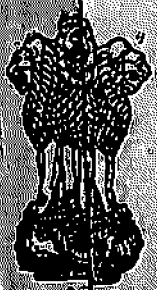

२ संख्या १

सत्यमेव जयते

बिहार विधान सभा वादवृत्त

सरकारी रिपोर्ट

बुधवार, तिथि २८ जनवरी, १९५३ ।

Vol. II. No. 1

The Bihar Legislative Assembly Debates

Official Report.

Wednesday, the 28th January, 1953.

अधीक्षक, राजकीय ... ालय, बिहार,

मूल्य—६ आ...]
Price—A... 6.]

बिहार विधान सभा वाद्वृत।

भारत के संविधान के उपबंध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में सोमवार, तिथि ९ फरवरी, १९५३ को पूर्वाह्न ११ बजे में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर।
SHORT-NOTICE QUESTION.

NATIONALISATION OF TRANSPORT.

5. **Shri KRISHNA GOPAL DAS**: Will the Minister for Transport be pleased to state—

(*a*) if it is a fact that due to appointment of raw drivers recently in the Transport Department accidents are daily taking place; if so, how many accidents have so far taken place, since the nationalisation of transport in the State;

(*b*) the reason why expert drivers or experienced drivers have not been appointed;

(*c*) what better arrangement Government are considering for the appointment of drivers and conductors;

(*d*) how many new buses have since the nationalisation of transport arrived and how many are to arrive this year;

(*e*) how many drivers have been appointed and how many are still to be appointed this year and what is the method of such recruitment?

Shri MAHESH PRASAD SINHA: (*a*) No raw driver has been appointed, so the question of accident occurring as a result of appointment of raw drivers does not arise. Four cases of very minor nature of the kind which used to occur in the past have so far been reported and they are all under police investigation.

(*b*) The answer is in the negative.

(*c*) Many people visit the office at Anisabad for appointment on their own accord without being called for. Drivers with a minimum experience of seven years of driving a transport vehicle and with clean records are being appointed after a personal interview by the General Manager and the Service Manager and this arrangement is considered to be satisfactory.

As to conductors, only matriculates or those who have at least read up to 10th class and have obtained a conductor's license are being appointed.

(*d*) 90 buses have so far arrived and 50 are more expected shortly.

(*e*) 132 drivers have been appointed so far.

श्री मुहम्मद शफी—मुझे याद नहीं है।

श्री कमलदेव नारायण सिंह—क्या मंत्री महोदय इसकी जानकारी प्राप्त करने की कोशिश करेंगे कि इस तरह का मेमोरेन्डम उन्हें दिया गया था या नहीं?

श्री मुहम्मद शफी—जरूर कोशिश करूंगा।

गंडक की बाढ़ से क्षति।

*१७०। श्री हरिवंश नारायण सिंह—क्या मंत्री, राजस्व विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या सरकार को मालूम है कि मुजफ्फरपुर जिले के राघोपुर (हाजीपुर) थाने का रामपुर, करारी, बरारी गांव तथा चकसिंगार गांव बिल्कुल ढह कर गंडक में चले गये;

(ख) क्या सरकार को जानकारी है कि उपरोक्त गांवों में स्थित मिडल स्कूल, सबसिडाइज्ड अस्पताल, पुस्तकालय और अपर प्राइमरी स्कूल भी गंडक में चला गया;

(ग) क्या सरकार को मालूम है कि उपरोक्त गांवों के लोग बाढ़ से इतने तबाह हो गए हैं कि वे स्कूल आदि संस्थाओं को बगैर सरकारी सहायता के नहीं चला सकते;

(घ) सरकार उपरोक्त संस्थाओं के लिए अलग-अलग कितनी रकम देने का विचार करती है?

श्री कृष्णबल्लभ सहाय—(क) यह सही है कि गत बरसात में गंडक नदी में रामपुर, करारी, बरारी गांव और चकसिंगार गांव बह गये थे।

(ख) इसका उत्तर हां है।

(ग) अभी तक इन स्कूलों से किसी तरह की सहायता की दरखास्त नहीं आयी है।

(घ) यह सवाल नहीं उठता।

श्री हरिवंश नारायण सिंह—क्या सरकार यह बतायेगी कि हाजीपुर के एस० डी० ओ० ने इस संबंध में कुछ अपनी सिफारिश सरकार के पास भेजी थी?

श्री कृष्ण बल्लभ सहाय—हमारे पास श्री के० के० शरण, एस० डी० ओ०, हाजीपुर, की चिट्ठी आई है। उसमें उन्होंने लिखा है कि अस्पताल, स्कूल या लाइब्रेरी की सहायता के लिये कोई दरखास्त उनके पास नहीं पहुंची है।

श्री हरिवंश नारायण सिंह—क्या यह बात सही है कि एस० डी० ओ० ने सरकार के पास यह सिफारिश की थी कि सरकार इन संस्थाओं को चलाये?

श्री कृष्ण बल्लभ सहाय—उत्तर 'नहीं' में है।

दरभंगा में जमींदारियों का सर्वे कराया जाना।

*१७१। श्री जयनारायण झा "विनीत"—क्या मंत्री, राजस्व विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिले की जितनी जमींदारियां ले ली गई हैं, उनका शीघ्र ही फिर से सर्वे कराया जाने वाला है;

(ख) क्या यह बात सही है कि इस समाचार से देहाती क्षेत्रों में तहलका मच गया है और जो लोग गरीब किसानों को खेती के लिये बटाई पद्धति पर खेत दिया करते थे, वे किसानों से खेत छीन रहे हैं, जिससे गरीब किसानों की परेशानियां बढ़ रही हैं और छीने गये खेतों को भी परती पड़े रह जाने की संभावना है;

(ग) क्या सरकार अन्नाभाव के वर्त्तमान संकट काल में सर्वे जैसी झंझट की बातें अभी बन्द रखने का विचार करती है?

श्री कृष्ण बल्लभ सहाय—सरकार के सामने अभी दरभंगा जिले की जितनी जमींदारियां ली गई हैं उनको सर्वे कराने का सवाल उपस्थित नहीं है।

(ख) इस तरह के समाचार से वहां पर सनसनी फैल गयी है। इसकी खबर सरकार को नहीं है, मगर सरकार बटाई पद्धति की रक्षा के सवाल पर विचार कर रही है और ऐसी आशा की जाती है कि इससे संबंधित कानून शीघ्र ही एसेम्बली में पेश किया जायगा।

(ग) खंड (क) और (ख) में जो जवाब दिया है उसके बाद यह सवाल नहीं उठता है।

श्री रामचन्द्र यादव—क्या सरकार यह बतलायगी कि बटाई की रक्षा करनेवाला कानून कब तक एसेम्बली में पेश किया जायगा?

श्री कृष्ण बल्लभ सहाय—सरकार का विचार इस कानून को शीघ्र लाने का है।

श्री रामचन्द्र यादव—क्या एसेम्बली के इसी अधिवेशन में इस बिल को लाया जायगा?

श्री कृष्ण बल्लभ सहाय—यह बिल इसी अधिवेशन में लाया जायगा।

सहरसा जिले में कास के जंगल की बन्दोबस्ती।

*१७३। श्री लहटन चौधरी—क्या मंत्री, राजस्व विभाग, यह बतलाने की कृपा कृपा करेंगे कि—

(क) क्या सरकार को मालूम है कि सहरसा जिले में जहां-जहां की जमींदारी सरकार ने ले ली है वहां कास का जंगल और जलकर तेजी के साथ सरकार की ओर से बन्दोबस्त किया जा रहा है, जिससे घोर असंतोष फैल रहा है;